

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है।

कक्षा -६

हिन्दी (LOWER)

पाठ -7

काली कोयल काली क्यों?

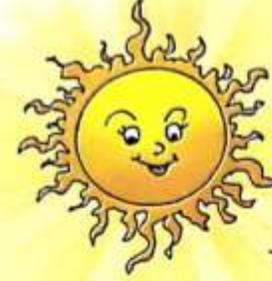
CHANGING YOUR TOMORROW

अपनी सोने जैसी दमकती काया की सुंदरता के घमंड में डूबी वह एक बार नभ में बहुत ऊँची चली गई। दूर से उसके सुनहरे पंख आकाश में फैली किरणों के समान लग रहे थे।



उड़ते-उड़ते उसे इस बात का ध्यान ही न रहा कि वह बहुत ऊँचाई पर आ गई है। उसके मन में यही लालसा थी-ऊँचा उड़ने की, सबसे ऊँचा उड़ने की।

अचानक सोनल जोर से चीख उठी-“उई माँ! बचाओ...बचाओ!” सूरज की गरमी ने सोनल को जला डाला। उसका सुनहरा शरीर झुलस गया। उसके सोने



जैसे पंख काले पड़ गए। रोती, चीखती-चिल्लाती, दर्द से छटपटाती वह नीचे गिर पड़ी।

गिरते-पड़ते वह बूढ़े बरगद बाबा की टहनियों में फँस गई। बूढ़े बाबा ने उसे प्यार से सहलाया। बाबा ने थोड़े दिन उसकी खूब सेवा की जिससे वह थोड़ी-थोड़ी ठीक हो गई। पर सोनल उदास रहने लगी, क्योंकि उसका सुनहरा रंग काला पड़ गया था।

उसे गुमसुम देखकर बूढ़े बाबा ने

उसे समझाया कि इस दुनिया में रूप-रंग का कोई महत्व नहीं है। लोग उसी को अच्छा मानते हैं जिसमें गुण हों अगर



तुम सभी के साथ मिल-जुलकर रहोगी और सभी से मीठे बोल बोलोगी तो काली होने पर भी फिर से सबकी दुलारी बन जाओगी।

तभी से सोनल ने मीठी वाणी में गाना शुरू कर दिया और अपनी मीठी बोली से सबका मन जीत लिया।



सभी उसे कोयल के नाम से पुकारने लगे। धीरे-धीरे सभी सोनल चिड़िया को भूल गए और कोयल के गुण गाने लगे।

शब्दार्थ-

काया- शरीर

घमंड-अभिमान, अहंकार

झुलस- जलना

दुलारी- प्यारी

लालसा- तीव्र इच्छा

सहलाया-धीर- धीरे हाथ फेरना

वाणी- बोल

अर्थ बोध-

सुनहरी चिड़िया एक दिन नभ में बहुत ऊँची तक चली गई इस बात का ध्यान उसे न था। ऊँचाई पर जाने की लालसा उसे ऊँचाई पर तो ले गया परन्तु सूरज की रौशनी सोनल को जला डाला। उसके सोने जैसी पंख काले हो गए। इतने ऊँचाई से गिरकर वह बूढ़ा बरगद के टहनी में आ गिरी। बरगद उसे उदास देख उसे समझाया कि रंग रूप का कोई महत्व नहीं लोग उन्हें अच्छा मानता है जिसके अच्छे गुण होते हैं। उसके बाद सोनल मीठी वाणी बोलने लगी और सबके मन जीत लिया। सभी उसे कोयल पुकारने लगे।



संबंधित प्रश्न-

१. सोनल को किस बात की घमंड थी?
२. उसे किस बात की लालसा थी?
३. सोनल के साथ क्या हादसा हुआ था?
४. हादसे के बाद सोनल के साथ क्या हुआ?
५. सोनल को कौन साहारा देता है?
६. बरगद सोनल को क्या समझाया है?

गृहकार्य- पढ़ाए गए पाठ को पढ़ो।



THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP